



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 15 मई, 2026

जारी करने का समय: 1430 घंटे

- विषय:** (i) केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून 26 मई को शुरू होने की संभावना है, जिसमें मॉडल त्रुटि  $\pm 4$  दिन की है।  
(ii) अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।  
(iii) सप्ताह के कई दिनों तक उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में ऊष्ण लहर से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहने की संभावना है।  
(iv) सप्ताह के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत में और अगले 3-4 दिनों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भी छिटपुट भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

**आज, 15 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:**

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है, जबकि असम और मेघालय में छिटपुट स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हुई है।
- ❖ पंजाब, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, छत्तीसगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र, कच्छ, हरियाणा, असम और मेघालय में छिटपुट स्थानों पर 50-75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई। पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, उत्तराखंड, झारखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, विदर्भ, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में छिटपुट स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ आंधी चली।
- ❖ पंजाब में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ, पश्चिमी राजस्थान, दक्षिणी मध्य प्रदेश और आसपास के आंतरिक महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- ❖ राजस्थान के कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी चलने की सूचना मिली।

**पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):**

- ❖ अधिकतम तापमान (14-05-2026 तक): मध्य भारत और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत, गुजरात राज्य, राजस्थान और उससे सटे हरियाणा के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 40-45°C के बीच रहा; जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत, दक्षिणी केरल और दक्षिणी तमिलनाडु, पश्चिमी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, आंतरिक महाराष्ट्र और पश्चिमी राजस्थान को छोड़कर देश के शेष हिस्सों में अधिकतम तापमान 32-40°C रहा। अकोला (महाराष्ट्र) में उच्चतम अधिकतम तापमान 45.9°C दर्ज किया गया।

- ❖ अधिकतम तापमान में अंतर (14-05-2026 तक): गुजरात राज्य, दक्षिणी राजस्थान, उत्तरी आंतरिक महाराष्ट्र और उससे सटे मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से 2-5°C अधिक रहा, जबकि देश के शेष हिस्सों में यह सामान्य के आसपास या सामान्य से कम रहा।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; असम, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, जबकि देश के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।

### दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 का आगमन और प्रगति:

- ❖ केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई को आगमन की संभावना है, जिसमें मॉडल त्रुटि  $\pm 4$  दिन की हो सकती है।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रगति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।

### मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ कल दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र आज, 15 मई 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समय) भी उसी क्षेत्र में बना रहा और इससे संबंधित चक्रवाती परिसंचरण मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों तक फैला हुआ है और ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है, जिसका अक्ष समुद्र तल से लगभग 5.8 किमी ऊपर, लगभग 60° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 28° उत्तर में स्थित है।
- ❖ उत्तरी पाकिस्तान से सटे जम्मू के ऊपर निचले क्षोभमंडल में एक और पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों के ऊपर निचले क्षोभमंडल में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश से उत्तरी बांग्लादेश तक निचले क्षोभमंडल में एक पूर्व-पश्चिम गर्त फैला हुआ है।
- ❖ बिहार के ऊपर निचले क्षोभमंडल में स्थित ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण उपरोक्त गर्त में विलीन हो गया है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर स्थित ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उत्तरी आंतरिक कर्नाटक तक निचले क्षोभमंडल में एक गर्त फैला हुआ है।

### उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

#### उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 15 और 16 मई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 15 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी राजस्थान और उत्तर प्रदेश में तथा पूर्वी राजस्थान में 15 और 16 मई को छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 15 मई को पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ 15 मई को पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

## पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 15 से 17 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट से लेकर काफी व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) की संभावना है।
- ❖ 15 से 17 मई और 20 और 21 मई को अरुणाचल प्रदेश में, 15 से 21 मई को असम और मेघालय में, 15, 20 और 21 मई को नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में छिटपुट भारी बारिश की संभावना है, साथ ही 15 मई को दक्षिण असम में छिटपुट बहुत भारी बारिश की संभावना है।

## पूर्वी भारत:

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 15 से 19 मई के दौरान, बिहार, झारखंड और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 15 से 21 मई के दौरान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 15 और 16 मई को, और ओडिशा में 15 से 19 मई के दौरान छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 15 से 18 मई के दौरान, बिहार में 15, 16, 20 और 21 मई को, झारखंड में 17 और 18 मई को, और ओडिशा में 15 मई को गरज के साथ तेज हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटा की गति से 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ 15 से 18 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 16 और 17 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में और 17 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

## मध्य भारत:

- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में 15 मई को और छत्तीसगढ़ में 15 से 17 मई के दौरान छिटपुट रूप से हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ छत्तीसगढ़ में 15 मई को गरज के साथ तेज हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटा की गति से चलने वाली और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।

## पश्चिमी भारत:

- ❖ 15 से 17 मई के दौरान कोंकण और गोवा में तथा 15 से 18 मई के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में छिटपुट रूप से हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) चलने की संभावना है।

## दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 15 से 19 मई के दौरान केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, आंतरिक कर्नाटक में; लक्षद्वीप में 15 और 16 मई को छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है।
- ❖ 15 से 17 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में, 16 और 17 मई को केरल और माहे में, 15 मई को लक्षद्वीप में और 15 से 18 मई के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है; साथ ही 15 मई को केरल और माहे के कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हो सकती है।
- ❖ 15 मई को उत्तर आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है।

## अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ भारत के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 21 मई तक अधिकतम तापमान में 4-6°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिमी भारत के मैदानी इलाकों में 18 मई तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 19 से 21 मई के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ मध्य भारत में 17 मई तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है, 18 और 19 मई को 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होगी और 20 और 21 मई को कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ पूर्वी भारत में 17 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 18 से 21 मई के दौरान इसमें कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ गुजरात में 16 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट होने की संभावना है और 17 से 21 मई के दौरान इसमें कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र में 18 मई तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है और 19 से 21 मई के दौरान इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ देश के शेष हिस्सों में 21 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

## ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गरम रात की चेतावनी:

- ❖ 15 से 21 मई के दौरान पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; 18 से 21 मई के दौरान कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 16 से 21 मई के दौरान उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; 18 और 19 मई के दौरान कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 17 से 21 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; 16 से 21 मई के दौरान पूर्वी राजस्थान में; 15 से 21 मई के दौरान मध्य प्रदेश और विदर्भ में; 18 से 21 मई के दौरान छत्तीसगढ़ में; 16 से 18 मई के दौरान झारखंड में; और 15 मई को मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, सौराष्ट्र और कच्छ में ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 15 और 16 मई को कोंकण और गोवा के कुछ इलाकों में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 15 और 16 मई को मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में रात में गर्म मौसम रहने की संभावना है।

## मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 15 मई से 20 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 15 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी में; 16 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों, पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी के आस-पास के हिस्सों और दक्षिण तमिलनाडु तट के किनारे और उससे दूर; 17 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र के आस-पास, दक्षिण और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों, पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी के आस-पास के हिस्सों और दक्षिण तमिलनाडु तट के किनारे और उससे दूर; 18 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र के आस-पास, दक्षिण और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों, पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी के आस-पास और कुछ हिस्सों, दक्षिण तमिलनाडु तट के किनारे और उससे दूर, म्यांमार तट के किनारे और उससे दूर। 19 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे इलाकों, दक्षिण और मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों और तमिलनाडु तट के पास; 15 से 20 मई के दौरान अंडमान सागर में न जाएं।
- ❖ अरब सागर: 15 और 16 मई को केरल और कर्नाटक के तटों के साथ-साथ लक्षद्वीप और मालदीव से सटे इलाकों में 15 से 20 मई के दौरान सोमालिया तट के साथ-साथ दक्षिण-पश्चिम अरब सागर से सटे इलाकों में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 15 से 18 मई 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forecast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php)

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

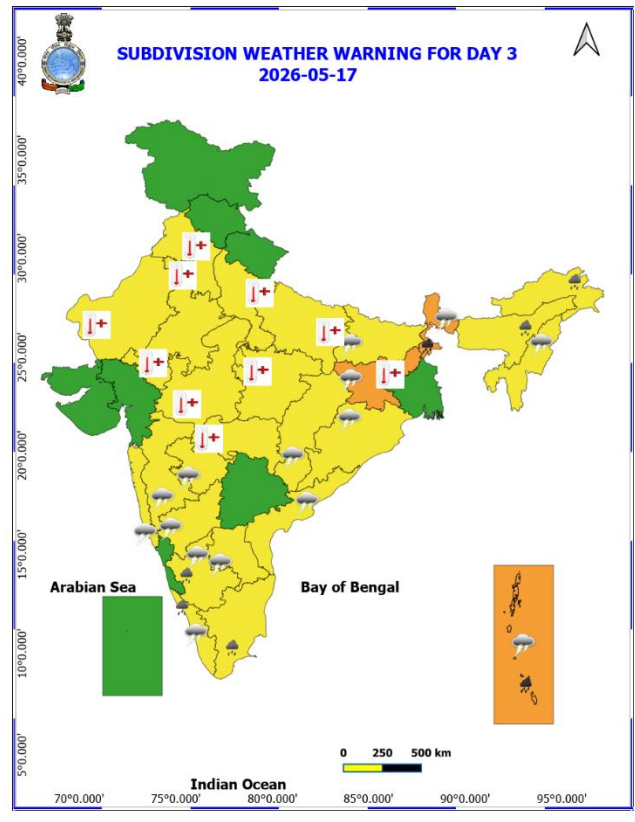
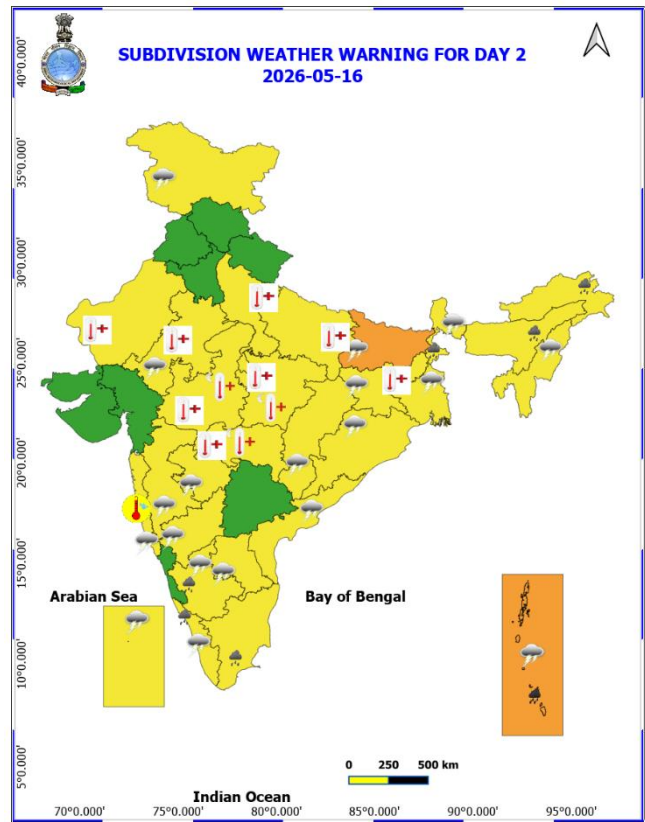
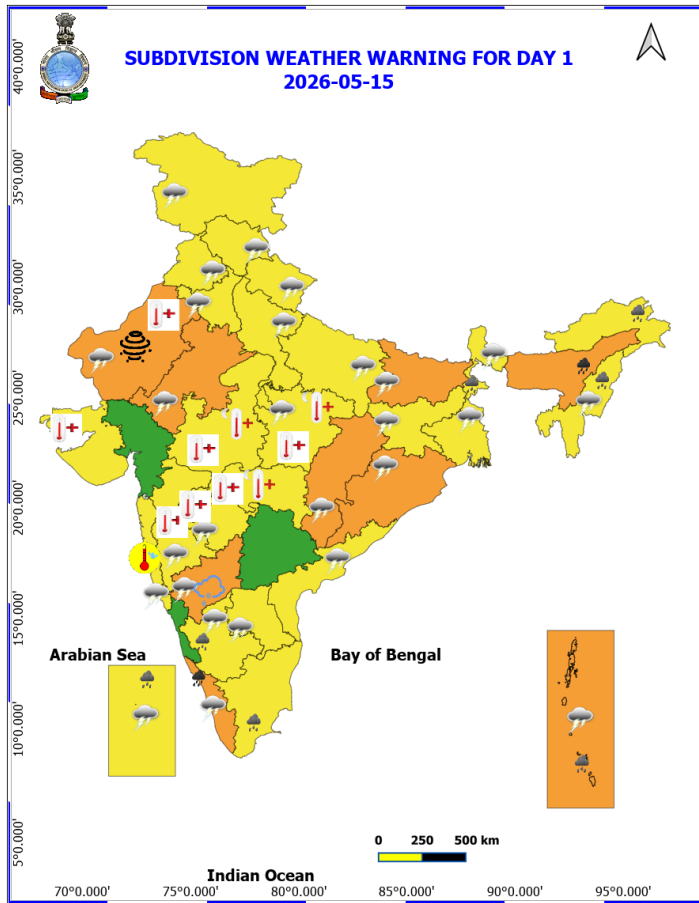
- ❖ असम और मेघालय: बी पी घाट (27)
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: भटकवा (11)
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: तूतिंग (7)
- ❖ तटीय कर्नाटक: अंकोला(7)
- ❖ उत्तर आंतरिक कर्नाटक: औराद(7)

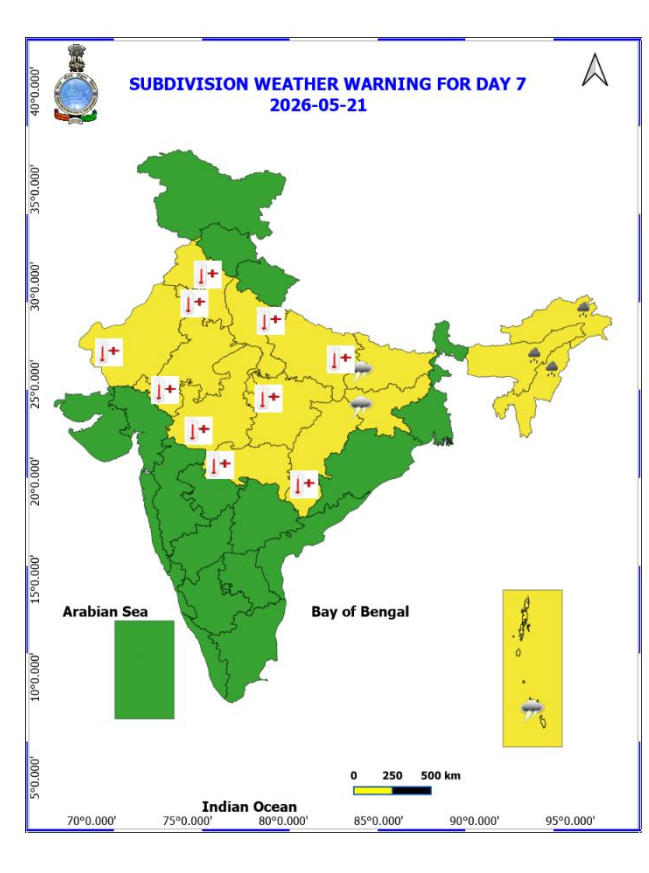
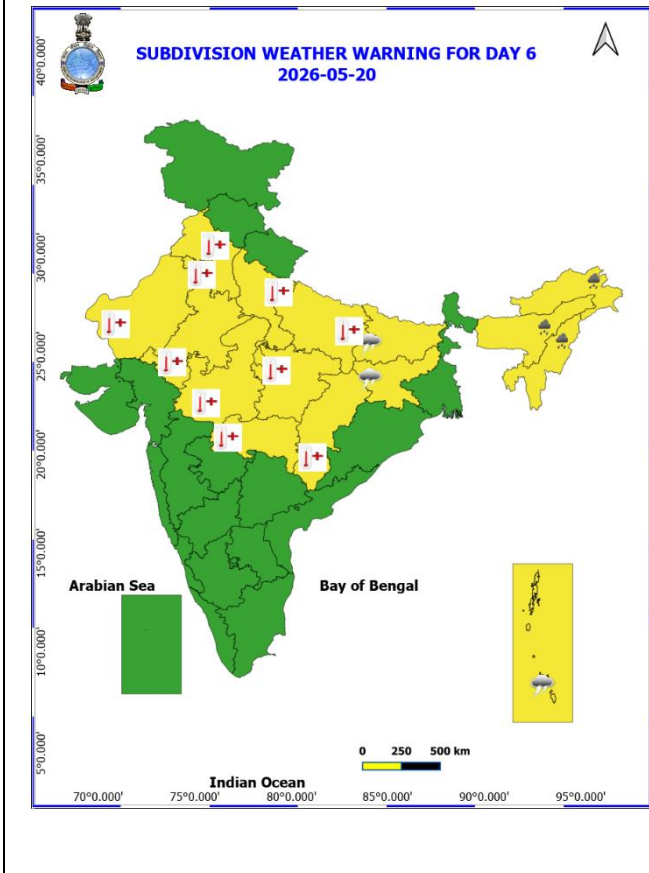
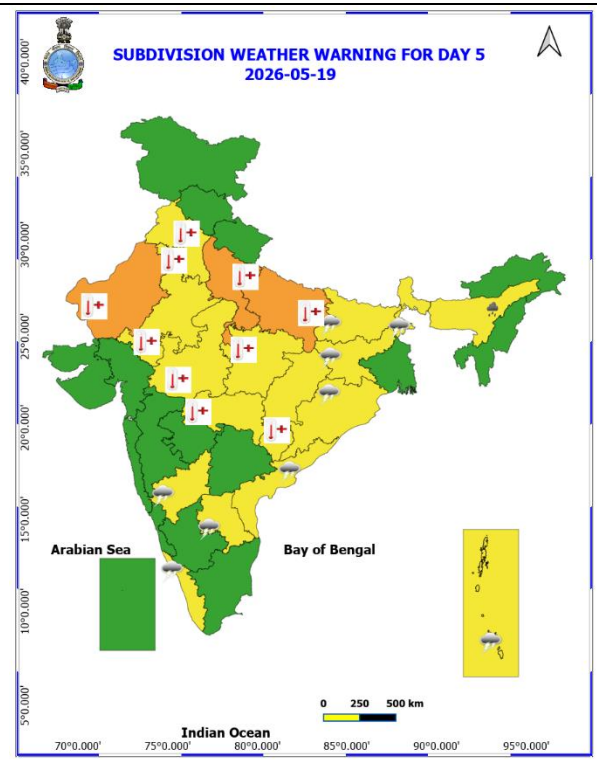
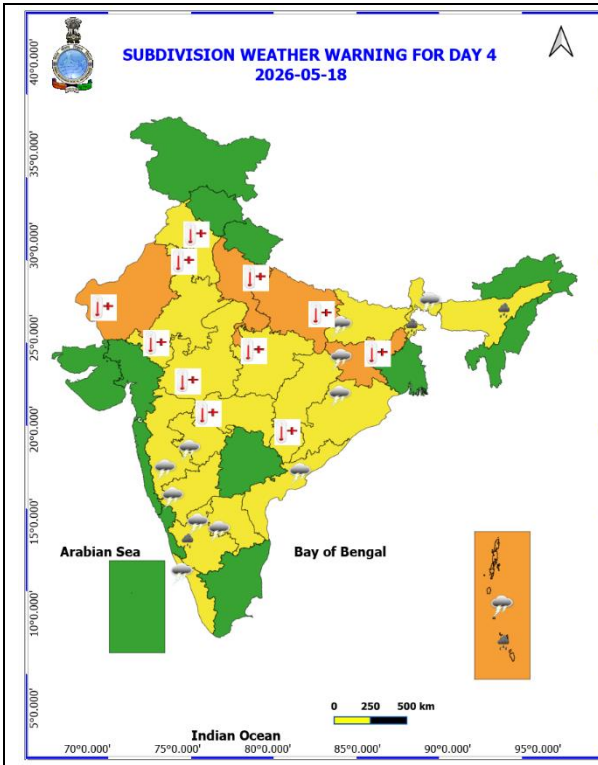
कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ राजस्थान: फतेहपुर 80, जयपुर 72, बीकानेर 70, दौसा 63, अजमेर 61;
- ❖ पंजाब: फरीदकोट 72, मोहाली 57
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख: रामबन 72, शोपियां 33, जम्मू 28, कठुआ 28
- ❖ छत्तीसगढ़: बिलासपुर 68
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: मुजफ्फरनगर 63, सरसावा 56, हिंडन 50, शामली 50
- ❖ ओडिशा: नवापाड़ा (59), गुनुपुर (37), जान्हूकुड़ा (35), मयूरभंज (35), भुवनेश्वर (33), संबलपुर (31)
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम (58)
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अरसरनेज (अहमद) 57
- ❖ सौराष्ट्रकच्छ : खावड़ा (कच्छ) 57
- ❖ हरियाणा: करनाल 56, पंचकुला 52
- ❖ असम और मेघालय: मानस 52, गुवाहाटी\_सिटी 46, डाउन\_टाउन\_यूनिवर्सिटी 39, केवीके\_बक्सा 31, बिस्वनाथ\_चरियाली 31, शिलांग 39
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर 46, अनूपपुर 39, रीवा 33, शडोल 37, सीधी 35, सागर 30
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: नारायणगांव (पुणे) 43, विल्होली (नासिक) 41, महाबलेश्वर (सतारा) 41।
- ❖ मराठवाड़ा: अंबेजोगई (बीड) 43, (टोंडापुर) हिंगोली 33
- ❖ उत्तराखंड: मुक्तेश्वर 39, रानीचौरी 39, चंपावत 37, रुड़की 37, पंतनगर 33, जौलीग्रांट 31, रानीखेत 30,
- ❖ झारखंड: सिमडेगा(37),रांची(37),नेतरहाट(30)
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: अशोकनगर 37, नर्मदापुरम 37, भोपाल 35, सीहोर 35, आगर 33, बड़वानी 33, धार 30, गुना 30
- ❖ कोंकण और गोवा: कर्जत (रायगढ़) 37, देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) 33
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: योम्चा 37, कलाक्तांग 31
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: क्वकपणिसागर 35
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: अलीपुर (34), झारग्राम (33), हावड़ा (30), गंगासागर (30)
- ❖ विदर्भ: बुलदाना 36, यवतमाल 32, वर्धा31
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: पुंडीबारी(31)
- ❖ बिहार: बिक्रमगंज(30)

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	15- May	16- May	17- May	18- May	19- May	20- May	21- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	DRY	DRY	SCT	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

**15 मई से 18 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान**

**पिछला मौसम:**

दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश/बूँदाबांदी हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1-2°C की मामूली बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में 2-5°C की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 39-41°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान 24-26°C की सीमा में रहा। दिल्ली में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C), और बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान ज्यादातर साफ़ रहा और सतह पर हवा की गति 20 kmph तक रही, जो दक्षिण-पश्चिम दिशा से 48 kmph तक के झोंकों के साथ चली। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान ज्यादातर साफ़ रहने और सतह पर हवा की गति पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 14 kmph तक रहने की संभावना है।

**मौसम पूर्वानुमान:**

15.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ़ रहेगा, जो दोपहर/शाम होते-होते आंशिक रूप से बादल वाला हो जाएगा। शाम/रात के दौरान गरज/बिजली और तेज़ हवाओं (गति 40-50 kmph, झोंकों के साथ 60 kmph तक) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक दौर आ सकता है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 40°C से 42°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.5°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति उत्तर दिशा से घटकर 10 kmph तक हो जाएगी।

16.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ़ रहेगा। दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा और कम से कम तापमान क्रमशः 40°C से 42°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर कम से कम तापमान सामान्य से कम (1.5°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर ज्यादा से ज्यादा तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph तक रहेगी।

17.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ़ रहेगा। दोपहर/शाम के समय गरज के साथ बादल बनने की संभावना है। दिन के समय ज़मीन पर तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी रफ़्तार 20-30 kmph होगी और कभी-कभी झोंकों में 40 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा और कम से कम तापमान क्रमशः 41°C से 43°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर कम से कम तापमान सामान्य से कम (1.5°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर ज्यादा से ज्यादा तापमान सामान्य से ज्यादा (1.5°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय ज़मीन पर हवा की रफ़्तार बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 kmph तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 kmph तक रहेगी।

18.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ़ रहेगा। दिन के समय ज़मीन पर तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी रफ़्तार 20-30 kmph होगी और कभी-कभी झोंकों में 40 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 42°C से 44°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 30 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय

सतह पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 30 kmph तक रहेगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 25 kmph से कम रहेगी।

### छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 15 से 18 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; बिहार में 15, 16, 20 और 21 मई को; झारखंड में 17 और 18 मई को; ओडिशा में 15 मई को; छत्तीसगढ़ में 15 मई को; पंजाब और राजस्थान में 15 मई को 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और 70 किमी प्रति घंटे तक के झोंके आने की संभावना है।
- ❖ 15 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है।

#### संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

#### सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

### भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 15-17 तारीख और 20 व 21 तारीख को; असम और मेघालय में 15-21 तारीख के दौरान; नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में 15, 20 और 21 तारीख को; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 15-18 तारीख के दौरान; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 15-17 तारीख के दौरान; केरल और माहे में 16 और 17 तारीख को; लक्षद्वीप में 15 तारीख को; और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 15-18 मई के दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही, दक्षिण असम, केरल और माहे में 15 तारीख को; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 16 और 17 तारीख को; तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17 मई को कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

#### संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।

- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

#### सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

#### ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 17 मई से 19 मई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कई जगहों पर लू चलने की संभावना है, और कुछ अलग-अलग इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चल सकती है।
- ❖ 16 मई से 20 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ अलग-अलग इलाकों में लू चलने की संभावना है; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 15 मई से 17 मई तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 14 मई से 17 मई तक और 20 मई को; पश्चिमी राजस्थान में 14 मई से 16 मई तक और 20 मई को; पूर्वी राजस्थान में 17 मई से 20 मई तक; पश्चिमी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 14 मई से 20 मई तक; पूर्वी मध्य प्रदेश में 15 मई से 20 मई तक; छत्तीसगढ़ में 17 मई से 20 मई तक; तेलंगाना में 15 मई से 18 मई तक; कोंकण और गोवा में 15 मई और 16 मई को; मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में 14 मई को; मराठवाड़ा, सौराष्ट्र और कच्छ में 14 मई और 15 मई को लू चलने की संभावना है। इसके अलावा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 18 मई से 20 मई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 18 मई और 19 मई को; और पश्चिमी राजस्थान में 17 मई से 19 मई के दौरान छिटपुट जगहों पर भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।

#### चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तापमान अधिक रहने और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में ज्यादा है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी शारीरिक काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे: शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएँ हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ - भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने (हाइड्रेटेड रहने) के लिए ORS, या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

### ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- उत्तर आंतरिक कर्नाटक में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

### भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। कटी हुई पत्तागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- असम में, फसल के खेतों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। पकी हुई फसलों की कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को किसी सूखी और ढकी हुई जगह (गोदाम) पर सुरक्षित रख दें। लंबी फसलों (जैसे केला या गन्ना) और छोटे पौधों को बांस की डंडियों या खंभों से सहारा प्रदान करें।
- मेघालय में, मक्का, अदरक, सब्जियों और फलों के बागानों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। फसलों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें बांस या अन्य सहारे (स्टेकिंग) से बांधें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, अदरक, टमाटर, मक्का, करेला और लाल मिर्च के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। टमाटर और लाल मिर्च के पौधों को सहारा प्रदान करें। परिपक्व फसलों की कटाई जल्द से जल्द करें और उन्हें सुरक्षित, सूखे स्थानों पर रखें। नर्सरी एवं नए पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए आवरण का उपयोग करें।
- अंडमान और निकोबार में नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और क्यारियों के आसपास पानी जमा होने से रोकथाम करें।
- केरल में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- तमिलनाडु में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, धान और अन्य खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।

### उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- राजस्थान में मूंग, लौकी, कद्दू, लौकी, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- मध्य प्रदेश में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- गुजरात में सुबह या शाम के समय ग्वार, मूंगफली, मूंग, उड़द तथा खीरा, तुरई, लौकी, नेनुआ और करेला जैसी सब्जियों में हल्की एवं बार-बार सिंचाई करें। मूंगफली की फसल में फूल आने तथा पेगिंग अवस्था पर सिंचाई करें। सौराष्ट्र और कच्छ में शुष्क मौसम के दौरान आम के बागों में उचित अंतराल पर हल्की सिंचाई करें। अधिक तापमान के कारण सब्जी फसलों में बार-बार सिंचाई करें, नर्सरी एवं युवा पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए 50%-75% हरे शेड नेट का उपयोग करें तथा सब्जियों की तुड़ाई सुबह या शाम के समय करें।
- महाराष्ट्र में सुबह या शाम के समय सब्जियों और बागों में हल्की एवं बार-बार सिंचाई करें तथा फसलों की संवेदनशील अवस्थाओं में सिंचाई की आवृत्ति बढ़ाएं। काँकण क्षेत्र में चीकू बागानों में 4-5 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें। नवरोपित बागों को गर्मी के तनाव से बचाने के लिए शेड नेट या ताड़ के पत्तों से अस्थायी छाया प्रदान करें। आम में स्पंजी ऊतक की समस्या से बचाव हेतु फलों की तुड़ाई सुबह जल्दी या देर शाम करें। मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा में गन्ना, ग्रीष्मकालीन

मूंगफली, सब्जियों और बागों में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें; सब्जियों और बागों में जैविक या भूसे की मल्लिङ्ग करें; केले के घोंद को पत्तियों से ढकें; तथा नवरोपित केले के बागानों में शेड नेट का उपयोग करें।

- उत्तर प्रदेश में खड़ी ज़ायद फसलों, सब्जियों और बागवानी फसलों को हल्की और नियमित सिंचाई प्रदान करें।
- झारखंड में, दलहनी और सब्जी वर्गीय फसलों में नियमित अंतराल पर सिंचाई प्रदान करें।

### तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

### पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

### किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

**भारी बारिश:** 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

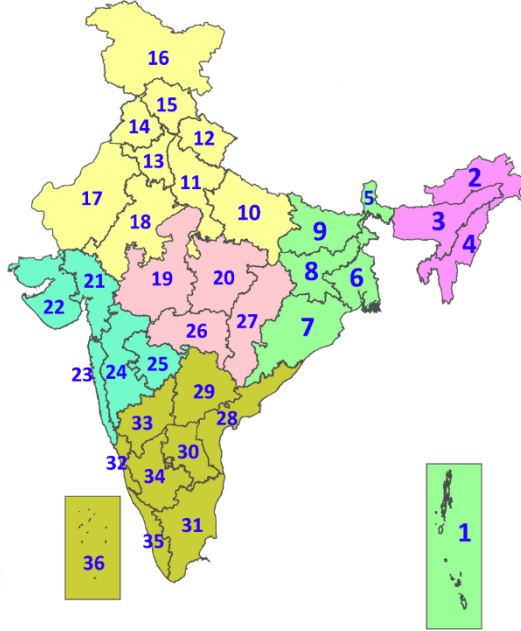
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला: NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

### मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

### COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

## DEFINITION/CRITERIA

### Rain/ Snow \*

**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm \*  
**Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm\*  
**Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm \*

### Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches  $\geq 40^\circ\text{C}$  for plains and  $\geq 30^\circ\text{C}$  for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

**Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal  $4.5^\circ\text{C}$  to  $6.4^\circ\text{C}$ .

**Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal  $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

**Heat Wave:** When actual maximum temperature  $\geq 45^\circ\text{C}$ .

**Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature  $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is  $> 4.5^\circ\text{C}$  from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature  $\geq 37^\circ\text{C}$

### Warm Night

When maximum temperature remains  $40^\circ\text{C}$

**Warm Night:** When minimum temperature departure  $4.5^\circ\text{C}$  to  $6.4^\circ\text{C}$ .

**Severe Warm Night:** When minimum temperature departure  $> 6.4^\circ\text{C}$ .

### Cold Wave

When minimum temperature of a station  $\leq 10^\circ\text{C}$  for plains and  $\leq 0^\circ\text{C}$  for hilly regions.

(a). Based on departure

**Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal  $-4.5^\circ\text{C}$  to  $-6.4^\circ\text{C}$ .

**Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

**Cold Wave :** When Minimum Temperature is  $\leq 4.0^\circ\text{C}$

**Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is  $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is  $\leq -4.5^\circ\text{C}$  & actual Minimum Temperature is  $\leq 15^\circ\text{C}$

### Cold Day

When minimum temperature of a station  $\leq 10^\circ\text{C}$  for plains and  $\leq 0^\circ\text{C}$  for hilly regions

Based on departure

**Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal  $-4.5^\circ\text{C}$  to  $-6.4^\circ\text{C}$ .

**Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^\circ\text{C}$

### Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility  $< 1\text{km}$

**Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres

**Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres

**Very Dense Fog:** when the visibility  $< 50$  metres

### Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

### Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

### Frost

Ice deposits on ground

Air temperature  $\leq 4^\circ\text{C}$  ( over Plains)

### Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

**Moderate:** Wind speed 52-61 kmph

**Severe:** Wind speed 62-87 kmph

**Very Severe:** Wind speed  $> 87$  kmph

### Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

**Rough to very rough:** Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

**High to very high:** Wind speed 63-117 kmph ( 34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

**Phenomenal:** Wind speed  $> 117$  kmph ( $> 63$  knots) & Wave height  $> 14$  metre

### Cyclone

**Cyclonic Storm:** Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

**Severe Cyclonic Storm:** Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

**Very Severe Cyclonic Storm:** Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

**Extremely Severe Cyclonic Storm:** Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

**Super Cyclone Storm:** Wind speed  $> 220$  kmph ( $> 119$  knots)

\* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".  
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.  
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599  
(Service to the Nation since 1875)